महर्षि दयानन्द

कहाँ और कब!

दण्ड।
सन्दर्भ पुस्तकालय
974

महेश प्रसाद, मौलवी आलिम फाजिल
हिन्दू यूनिवर्सिटी काशी

विषय ....
दिनांक ....

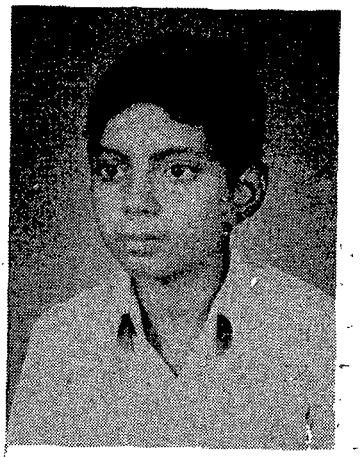

अरविन्द ठाकुर

३१.१.१९६७ - १८.६.१९८०

केन्द्रीय विद्यालय दिल्ली कैण्ट में प्रारम्भ से ६ वीं कक्षा तक विद्यारत्, आर्य समाज के सत्संग में अपनी ओर से अन्तिम आहुति १४.६.१९८० और १८.६.१९८० को अपनी जीवन लीला ही समेट ली।

अमिता ठाकुर

बहिन

महर्षि दयानन्द कहां और कब !

महेश प्रसाद, मौलवी आलिम फाजिल
हिन्दू यूनिवर्सिटी काशी

श्री स्वामी दयानन्द सरस्वती जी ने लगभग २२ वर्ष की आयु (सं० १९०३ वि०) में सदैव के लिये गृह-त्याग किया। सं० १९४० वि० में स्वर्ग-लोक सिधारे। इस काल के बीच में ढाई-तीन वर्ष मथुरा में रहे। निदान लगभग ३५ वर्ष उनके ऐसे वीते हैं जिसमें उन्होंने प्रायः यात्रा ही की और बहुत से स्थानों में पहुँचे। किन्तु निश्चित रूप से जिन स्थानों पर उनके पहुँचने का पता चलता है उनकी संख्या (२०० दो सौ) से भी कम ही है। ऐसे स्थानों में से अनेक वह हैं जहाँ पर उनका ठहरना बहुत कम समय तक हुआ था और अनेक ऐसे हैं जहाँ पर उनका ठहरना कई मास से भी कहीं अधिक हुआ है। फलतः उक्त प्रकार के सारे स्थानों में जिस क्रम से उनका आगमन व प्रस्थान निर्धारित किया जा सका है उसी के अनुसार उन स्थानों का नाम तथा वहाँ के आगमन व वहाँ से प्रस्थान का समय विक्रमी संवत् के अनुसार दिया जा रहा है।

अब उक्त विषय के सम्बन्ध में इन बातों को भी जान लेना चाहियेः—

१—जिस स्थान में श्री महाराज जी का पधारना केवल एक बार हुआ है उस स्थान के पूर्व कोई अंक नहीं लिखा गया और जिस स्थान में एक से अधिक बार पधारना हुआ है उसके पहले अंक लिखे गये हैं जिनसे उस बार का पता लगेगा जिस बार वहाँ पर पधारना हुआ है। उदाहरणार्थ जानना चाहिये कि काशी के पूर्व जहाँ अंक ४ लिखा है वहाँ अर्थ यह है कि चौथी बार काशी में पधारना हुआ। परन्तु जिस अंक के पूर्व ऐसा × चिन्ह दिया गया है उससे समझना चाहिये कि इसके पश्चात् फिर उस स्थान में पधारने की नौबत नहीं आई। जैसा कि ×७ काशी से यह जानना चाहिये कि काशी में सातवीं बार पधारने के पश्चात् पुनः काशी में महाराज जी का आगमन नहीं हुआ।

२—प्रत्येक स्थान में पधारने व वहाँ से प्रस्थान करने के समय को विक्रमी संवत् के अनुसार दिया गया है। जिस संवत् के मास व तिथि का ठीक २ पता लगा है उसको कृ० (कृष्णा) शु० (शुल्का) के साथ लिखा गया है। परन्तु ज्ञात रहे कि कभी २ कोई तिथि घट बढ़ जाया करती है। ऐसी दशा में एक दिन का हेरफेर हो सकता है।

३—प्रथम समय जो टंकरा के सम्मुख लिखा गया है वह वास्तव में उनके जन्म का समय है। और अन्तिम समय जो अन्त में अजमेर के साथ अंकित है वह स्वर्ग लोक सिधारने की तिथि है।

४—स्थानों का उल्लेख जिस ढंग पर नीचे किया गया है उन पर दृष्टि डालने से पता लगेगा कि कुछ स्थल ऐसे हैं जहाँ की दशा यह है कि जिस तिथि को कहीं से प्रस्थान किया उसी तिथि अथवा उसके बाद दूसरी तिथि को अगले स्थान पर श्री महाराज जी का पहुंचना हुआ है। हाँ, अनेक स्थलों में ऐसी बात नहीं। कारण यह कि बहुतेरे दो स्थलों के बीच में जहां जहाँ पर श्री महाराज जी का पधारना हुआ है उनके विषय में कुछ पता नहीं। उदाहरणार्थ जानना चाहिये कि संवत् १९२७ वि० में महाराज जी ने जब काशी छोड़ा तो सोरों में उनके पहुँचने का पता चलता है। कहने की आवश्यकता नहीं कि काशी से सोरों पहुँचने के लिये रेल द्वारा जो सुगमता अब (सन् १९४३ ई० में) है वह सुगमता सं० १९२७ वि० (सन् १८७० ई०) में पूर्ण रूप में न थी। दोनों स्थानों के बीच में ३०० मील से भी अधिक की दूरी है।

५—अनेक स्थानों के नाम जो जीवन चरित्रों में अशुद्ध छपे हुये हैं उनका ठीक नाम काफी खोज के पश्चात् दिया गया है और ऐसी बात को स्पष्ट भी कर दिया गया है।

६—अनेक स्थानों से सम्बन्ध रखने वाले समयों को काफी उद्योग के पश्चात् यथा संभव ठीक लिखा गया है।

७—जिन स्थानों का नाम कोष्ठ में दिया गया है। वहाँ पर जाने आने व ठहरने आदि का सम्बन्ध उनके पूर्व वाले स्थानों के साथ ही सम्मिलित समझना चाहिये। जैसे फरुर्खाबाद के साथ दो स्थलों पर फतेहगढ़ लिखा गया है। निदान दो स्थानों को एक ही साथ समझना चाहिये।

८—जिन दो स्थानों के नामों के बीच में बिन्दियाँ दी गई हैं उन स्थलों पर समझना चाहिये कि उन दोनों स्थानों के नामों के बीच में एक या अनेक पदारोपित स्थानों के नाम ऐसे हैं जिन से हम वंचित हैं।

हमारे पाठकों का पदारोपित स्थानों के नामों के विषय में थोड़ा सा सावधान होना आवश्यक है क्योंकि:—

(१) अनेक नाम ऐसे हैं कि कई ढंगों से बोले अथवा लिखे जाते हैं। जैसे:—(झीलम, झेलम) (रिवाड़ी, रेवाड़ी) (देहली, दिल्ली) (कृष्णगढ़, किशनगढ़, किशुनगढ़)।

(२) कुछ नामों में व और ब का भेद होता है जैसे:— (बृन्दाबन, वृन्दावन)।

(३) कुछ स्थानों के नाम दो या अधिक हैं जैसे:—(प्रयाग, इलाहाबाद) (काशी, बनारस) (चुनार, चाण्डालगढ़, पत्थरगढ़)।

———

पदारोपित स्थानों की तालिका

	स्थान	आगमन	प्रस्थान
	टंकारा	१८८१	१९०३
	.....		
	सायला	१९०३	१९०३ श्रावण
	कोठागांगढ़	१९०३ श्रावण	१९०३ आश्विन
	.....		
	सिद्धपूर	१९०३ आश्विन	१९०३ कार्तिक
	.....		
१.	अहमदाबाद	१९०३ कार्तिक	१९०३ कार्तिक
१.	बड़ौदा	१९०३	१९०४
१.	चाणेद-कर्णाली	१९०४	१९०४
	व्यास आश्रम	१९०४	१९०५
	सिनोर✡	१९०५	१९०६
२.	चाणेद-कर्णाली	१९०६	१९०७
	.....		
२.	अहमदाबाद	१९०७	१९०८
	.....		
१.	आबू	१९०९	१९११
	.....		
१.	हरिद्वार	१९११ का अंत	१९१२ का आरम्भ
१.	हृषीकेश	१९१२	१९१२
	.....		
१.	देहरादून	१९१२	१९१२
	टिहरी	१९१२ वैशाख	१९१२ वैशाख
१.	श्री नगर+	१९१२ वैशाख	१९१२ वैशाख

✡इसका नाम छिनौर, छिनूर या चित्तौड़ कदापि ठीक नहीं—लेखक।

	स्थान	आगमन	प्रस्थान
	रुद्रप्रयाग	१९१२ ज्येष्ठ	१९१२ ज्येष्ठ
	अगस्तमुनि की समाधि	१९१२ ज्येष्ठ	१९१२ ज्येष्ठ
	शिवपुरी	१९१२ आषाढ़	१९१२ भादों
	२. श्रीनगर	१९१२ भादों	२९१२ भादों
	१. गुप्त काशी	१९१२ भादों	१९१२ भादों
	गौरी कुण्ड	१९१२ भादों	१९१२ भादों
	भीमगुफा	१९१२ आश्विन	१९१२ आश्विन
	त्रियुगीनारायण	१९१२ आश्विन	१९१२ आश्विन
×	३. श्रीनगर	१९१२ आश्विन	१९१२ आश्विन
	तुंगनाथ	१९१२ आश्विन	१९१२ आश्विन
	१. ऊखीमठ	१९१२ आश्विन	१९१२ आश्विन
×	२. गुप्त काशी	१९१२ आश्विन	१९१२ आश्विन
×	२. ऊखी मठ	१९१२ आश्विन	१९१२ आश्विन
	जोशी मठ	१९१२ कार्तिक	१९१२ कार्तिक
	१. बद्रीनाथ	१९१२ कार्तिक	१९१२ कार्तिक
	अलखन्दा का स्रोत	१९१२ कार्तिक	१९१२ कार्तिक
	बसुधारा	१९१२ कार्तिक	१९१२ कार्तिक
	माना के निकट	१९१२ कार्तिक-	१९१२ कार्तिक
×	२. बद्रीनाथ	१९१२ कार्तिक	१९१२ कार्तिक
	चिलकिया घाटी	१९१२ अगहन	१९१२ अगहन
	रामपुर+	१९१२ अगहन	१९१२ अगहन
	काशीपुर (द्रोण सागर)	१९१२ अगहन	१९१२ फाल्गुन
	.....		
	१. मुरादाबाद	१९१२ फाल्गुन	१९१२ फाल्गुन
	सम्भल	१९१२ फाल्गुन	१९१२ फाल्गुन
	१. गढ़मुक्तेश्वर	१९१२ फाल्गुन	१९१२ फाल्गुन
	.....		

+इस सूची में गढ़वाल (संयुक्त प्रान्त) के श्रीनगर से अभिप्राय है—लेखक।

स्थान	आगमन	प्रस्थान
१. फरुखाबाद	१९१२ चैत कृ०	१९१२ चैतकृ०
१. शृंगीरामपुर	१९१२ चैत कृ०	१९१२ चैत कृ०
.....		
१. कानपुर	१९१३ चैत शु०	१९१३ चैत शु०
.....		
१. प्रयाग	१९१३ श्रावण	९१३ श्रावण
१. मिर्जापुर	१९१३ भादों	१९१३ भादों
विन्ध्याचल	१९१३ भादों	१९१३ भादों
१. काशी	१९१३ आरम्भ आश्विन	१९१३ आश्विन
चण्डालगढ़ +	१९१३ आश्विन शु० २,	१९१३ चैत
.....		
नर्मदा का स्रोत	१९१४ ज्येष्ठ	१९१६
.....		
१. हाथरस	१९१७ कार्तिक	१९१७ कार्तिक
१. मुरसान	१९१७ कार्तिक	१९१७ कार्तिक
२. मथुरा	१९१७ ,,	१९२० वैशाख
१. आगरा	१९२० वैशाख	१९२१ आश्विन
धौलपुर	१९२१ कार्तिक	१९२१ कार्तिक
१. ग्वालियर	,, ,,	,, ,,
(लश्कर)		
.....		
२. आबू	,, ,,	,, ,,
.....		
×२. ग्वालियर	,, माघ कृ० १२	१९२२ वैशाख शु० १२ या १३
करोली	१९२२ ज्येष्ठ	१९२२ आश्विन
खुशहालगढ़ +	,, कार्तिक	,, कार्तिक
१. जयपुर	,, ,,	,, चैत्र कृ०

स्थान	आगमन		प्रस्थान	
१. बगरु	,,	चैत्र कृ०	,,	,,
१. दूदू	,,	,,	,,	,,
कृष्णगढ़	,,	,,	,,	चैत्र शु०
१. अजमेर	१९२३	चैत्र शु०	,,	१९२३
१. पुष्कर	१९२३	,,	,,	ज्येस्ठ अ०
२. अजमेर	,,	ज्येष्ठ अ०	,,	,,
× २. कृष्णगढ़	,,	,,	,,	,,
× २. दूदू	,,	,,	,,	,,
× २. बगरू	१९२३	ज्येष्ठ (अधिक)	१९२३	ज्येष्ठ अधिक
२. जयपुर	,,	,,	,,	आश्विन
२. आगरा	,,	कार्तिक कृ०	,,	अगहन
२. मथुरा	,,	आगहन	,,	,,
१. मेरठ	,,	,,	,,	फाल्गुन
२. हरिद्वार	,,	फाल्गुन शु० १	१९२४	वैशाख
२. हृषीकेश	१९२४	वैशाख	,,	,,
३. हरिद्वार	,,	,,	,,	,,
कनखल	,,	,,	,,	,,
लंबेरा	,,	,,	,,	,,
शुकताल	,,	,,	,,	,,
मीरापुर	,,	,,	,,	,,
मुहम्मदपुर	,,	,,	,,	,,
परीक्षितगढ़	,,	,,	,,	,,
२. गढ़मुक्तेश्वर	,,	,,	,,	,,
१. चासी	,,	,,	,,	,,
१. कर्णबास	,,	,,	,,	,,
१. रामघाट	,,	,,	,,	,,
......				

*यह रामपुर वास्तव में काशीपूर के निकट उत्तर की ओर लगभग डेढ़ मील पर है—लेखक।

+चुनार को चण्डालगढ़ लिखा गया है—लेखक।

	स्थान	आगमन	प्रस्थान
	१. सोरों	,, ज्येष्ठ	,, ज्येष्ठ
	पटियाली	,, ,,	,, ,,
	१. कम्पिल	,, ,,	,, ,,
	१. कायमगंज	,, ,,	,, ,,
	शमसाबाद	,, ,,	,, ,,
	२. फरुखावाद	,, ,,	,, ,,
	.....		
	१. अनूपशहर	१९२४ ज्येष्ठ	१९२४ ज्येष्ठ
×	३. गढ़मुक्तेश्वर	,, ,,	,, आषाढ़ आरंभ
	(की ओर)		
	२. अनूपशहर	,, आषाढ़	,, आषाढ़
	२. चासी	,, ,,	,, ,,
	१. ताहिरपुर	,, ,,	,, ,,
	२. कर्णबास	,, ,,	,, ,,
	२. रामघाट	,, ,, शु० ५	,, ,, शु०
	३. कर्णबास	,, ,,	,, भादों
	३. रामघाट	,, भादों	,, ,,
	४. कर्णबास	,, ,,	,, आश्विन
	अहार	,, कार्तिक	,, कार्तिक
	३. चासी	,, ,,	,, ,,
×	२. ताहिरपुर	,, ,,	,, ,,
	३. अनूपशहर	,, ,,	,, ,, का अन्त
	५. कर्णबास	,, ,, का अन्त	,, अगहन
	४. रामघाट	,, अगहन	,, ,,
	१. अतरौली	,, ,,	,, ,,
	५. रामघाट	,, ,,	,, ,,
	बेलोन	,, ,,	,, ,,
	६. कर्णबास	,, ,,	,, फाल्गुन कृ०
	४. अनूपशहर	,, फाल्गुन कृ०	,, ,, शु०
	६. रामघाट	,, ,, शु०	,, ,,
	कछिलाघाट	,, ,, ,,	,, चैत शु०

✡ ग्वालियर—आबू—ग्वालियर—इन तीनों स्थानों पर आगमन व प्रस्थान का समय जो कुछ मैंने ऊपर लिखा है उस से मुझे सन्तोष नहीं—लेखक।

+ इसका नाम अजकल (सन् १९४७ ई० में) गंगापुर है—लेखक

स्थान	आगमन	प्रस्थान
गढ़ियाघाट	१९२५ चैत्र ,,	१९२५ चैत्र शु०
२. सोरों (अम्बागढ़)	,, ,, ,,	,, वैशाख
.....		
७. कर्णबास	१९२५ ज्येष्ठ कृ०	१९२५ कार्तिक
.....		
३ सोरों (अम्बागढ़)	कार्तिक	,,
सरावल*	,, कार्तिक	,, ,,
शहबाजपुर	,, ,,	,, ,,
कादिरगंज	,, ,,	,, ,,
१. नरदौली	,, ,,	,, ,,
ककोड़ा	,, ,, शु० १३	,, अगहन कृ० १
२. नरदौली	,, अगहन कृ० १०	,, ,, ११
+२. कायमगंज	,, ,, ,, ११	,, ,, शु०
+२. कम्पिल	,, ,, शु०	,, पौष
शुकरुल्लापुर	,, पौष	,, ,,
३. फरुखाबाद	,, ,,	१९२६ ज्येष्ठ
+२. श्रृंगीरामपुर	१९९६ ज्येष्ठ	,, ,,
जलालाबाद	,, ,,	,, ,,
कन्नौज	,, आषाढ़	,, आषाढ़
बिटठूर	,, ,,	,, ,,
मदारपुर	,, ,,	,, ,,
२. कानपुर	,, ,,	,, आश्विन
शिवराजपुर	,, आश्विन	,, ,,
गाजीपुर	,, ,,	,, ,,
.....		
२. प्रयाग	१९२६ आश्विन	१९२६ आश्विन
.....		
रामनगर	,, ,,	,, कार्तिक
२. काशी	,, कार्तिक	,, अगहन

*सरावल के बदले सरदोल शब्द ठीक नहीं—लेखक।

स्थान	आगमन	प्रस्थान
२. मिर्ज़ापुर	,, अगहन	,, माघ
३. प्रयाग	,, माघ शु० ५	,, फाल्गुन
३. मिर्ज़ापुर	,, फाल्गुन	१९२७ चैत
काशी	१९२७ चैत	,, ज्येष्ठ
.....		
४. सोरों	,, ज्येष्ठ	,, ,,
१. कासगंज	,, ,,	,, आश्विन
बिलराम	,, आश्विन	,, ,,
चकेरी के निकट	,, ,,	,, ,,
हरनोट	,, ,,	,, ,,
७. रामघाट	,, ,,	,, ,,
५. अनूपशहर	,, ,,	,, कार्तिक
८. रामघाट	,, कार्तिक पूर्णिमा	,, अगहन
×४. चासी	,, अगहन	,, ,,
९. रामघाट	,, ,,	,, ,,
१. छलेसर	,, ,, कृ० ४ या ५	,, पौष कृ० १
२. अतरौली	,, पौष	,, पौष
बिजौली	,, पौष	,, पौष
×५. सोरों	,, पौष	,, चैत कृ०
२. कासगंज	,, चैत	१९२८ चैत शु०
.....		
×१०. रामघाट	१९२८ ज्येष्ठ	,, आषाढ़
८. कर्णबास	१९२८ भादों अ०	१९२८ भादों अ०
×६. अनूपशहर	१९२८ भादों अ०शु. १४	,, कार्तिक
९. कर्णबास	,, कार्तिक	,, अगहन
.....		
४. फरुखाबाद	,, अगहन	,, माघ
.....		
४. प्रयाग	,, माघ	,, माघ
४. मिर्ज़ापुर	,, माघ	,, माघ
४. काशी	,, फाल्गुन	१९२९ चैत शु०
मुगलसराय	१९२९ चैत० शु०	,, वैशाख

स्थान		आगमन		प्रस्थान
१. डुमराँव	,,	वैशाख	,,	भादों कृ०
१. आरा	,,	भादों कृ९	,,	भादों शु० ३ या
१. पटना	,,	भादों शु ३ या ४	,,	आश्विन कृ १५
मुँगेर	,,	आश्विन शु० १	,,	कार्तिक कृ० २
.....				
१. भागलपुर	,,	कार्तिक कृ० ४	,,	पौष कृ० १
कलकत्ता	,,	पौष कृ. १ या २	१९३०	चैत शु० ४
हुगली	१९३०	चैत शु० ४	,,	चैत शु०
बर्दवान	,,	चैत शु०	,,	वैशाख
×२. भागलपुर	,,	वैशाख कृ० ५	,,	ज्येष्ठ कृ० ५
×२. पटना	,,	ज्येष्ठ कृ० ६	,,	ज्येष्ठ कृ०
छपरा	,,	ज्येष्ठ १४	,,	आषाढ़ कृ० १५
×२. आरा	,,	आषाढ़ कृ० १	,,	श्रावण शु० २
×२. डुमराँव	,,	श्रावण शु० २	,,	श्रावण शु० १५
५. मिर्जापुर	,,	श्रावण शु० १५	,,	कार्तिक कृ०
५. प्रयाग	,,	कार्तिक कृ०	,,	कार्तिक कृ०
३. कानपुर	१९३०	कार्तिक कृ. १४	१९३०	अगहन कृ०
१. लखनऊ	,,	अगहन कृ०	,,	अगहन कृ० १४
४. कानपुर	,,	अगहन कृ० १५	,,	अगहन कृ० १५
५. फरुखाबाद	,,	अगहन शु० १	,,	अगहन पौष कृ०
× ३. कासगंज	,,	पौष कृ० ६	,,	पौष
× ३. अतरौली	,,	पौष कृ० १५	,,	पौष कृ० १५
२. छलेसर	,,	पौष शु० १	,,	पौष शु० ७
१. अलीगढ़	,,	पौष शु० ७	,,	माघ शु० ५
× २. हाथरस	,,	माघ शु० ५	,,	माघ शु०
३. मथुरा	,,	माघ शु०	,,	फाल्गुन शु० ११
वृन्दावन	,,	फाल्गुन शु० ११	,,	चैत कृ० ११
× ४. मथुरा	,,	चैत कृ० ११	१९३१	चैत शु० २
२. मुरसान	१९३१	चैत शु० २	,,	ज्येष्ठ
६. प्रयाग	,,	ज्येष्ठ	,,	ज्येष्ठ
५. काशी	,,	ज्येष्ठ	,,	आषाढ़ (अधिक)

स्थान		आगमन		प्रस्थान
७. प्रयाग	,,	आषाढ़ अ० कृ० २	,,	आश्विन
जबलपुर	,,	आश्विन	,,	आश्विन
नासिक (पंचवटी)	,,	आश्विन शु०	,,	आश्विन शु०
१. बम्बई	,,	कार्तिक कृ० १	,,	अगहन कृ० ८
१. सूरत	,,	अगहन कृ० ८	,,	अगहन
१. भड़ौंच	,,	अगहन	,,	अगहन
३. अहमदाबाद	,,	अगहन शु० ३	,,	पौष कृ० ५
(निम्रादद)×				
राजकोट	१९३१	पौष कृ० ८	१९३१	पौष शु० १२
वडोयान	,,	पौष शु० १३	,,	पौष शु० १४
४. अहमदाबाद	,,	पौष शु० १५	,,	माघ कृ० ८
२. बम्बई	,,	माघ कृ० ८	१९३२	आषाढ़ कृ०
१. पूना	१९३२	आषाढ़ कृ०	,,	आश्विन
सतारा	,,	आश्विन	,,	कार्तिक
२. पूना	,,	कार्तिक कृ० ९	,,	कार्तिक कृ०
३. बम्बई	,,	कार्तिक कृ	,,	पौष
× २. बड़ौदा	,,	पौष	,,	फाल्गुन
× ५. अहमदाबाद	,,	फाल्गुन	,,	फाल्गुन
× २. भड़ौंच	,,	फाल्गुन	,,	फाल्गुन
× २. सूरत	,,	,,	,,	,,
वलसार	,,	,,	,,	,,
बसीन रोड	,,	,,	,,	,,
४. बम्बई	,,	,,	१९३३	वैशाख
१. इन्दौर	१९३३	वैशाख	,,	वैशाख शु ७
......				
६. फरुखाबाद	,,	ज्येष्ठ कृ० १	,,	ज्येष्ठ शु० १
......				
६. काशी	,,	ज्येष्ठ शु० ४	,,	भादों कृ० १० या ११
जौनपुर	,,	भादों कृ० ११	,,	भादों कृ० १४

× निम्राद नाम के किसी स्थान का पता नहीं लगा। संभवतः नड़ियाद के बदले में यह नाम लिखा गया है—लेखक।

स्थान	आगमन	प्रस्थान
अयोध्या	,, भादों कृ० १४ ,,	आश्विन शु० ६
२. लखनऊ	,, आश्विन शु० ६ ,,	कार्तिक शु० १५
१. शाहजहांपुर	,, कार्तिक शु० १५ ,,	अगहन कृ० ५
१. बरेली	,, अगहन कृ० ५ ,,	अगहन शु०
२. मुरादाबाद	१६३३ अगहन शु०	१६३३ अगहन
२. बरेली	,, अगहन शु०	,, पौष कृ० १
राजघाट	,, पौष कृ० १	,, पौष कृ० १
×१०. कर्णबास	,, पौष कृ० १	,, पौष कृ० ३
३. छलेसर	,, पौष कृ० ३	,, पौष कृ०
२. अलीगढ़	,, पौष कृ०	,, पौष कृ०
१. दिल्ली	,, पौष कृ०	,, माघ शु० २
२. मेरठ	,, माघ शु० २	,, फाल्गुन शु० २
१. सहारनपुर	,, फाल्गुन शु० २	,, चैत कृ० १२
२. शाहजहांपुर	,, चैत कृ० १४	,, चैत कृ० १५
चांदापुर	,, कृ० १५	१६३४ चैत शु० ८
३. शाहजहाँपुर	१६३४ चैत शु० ८	,, चैत शु० ६
२. सहारनपुर	,, चैत शु० ✡	,, वैशाख कृ० २
१. लुधियाना	,, वैशाख कृ० २	,, वैशाख शु० ६
१. लाहौर	,, वैशाख शु० ६	,, आषाढ़ कृ० ६
१. अमृतसर	,, आषाढ़ कृ० ६	,, श्रावण शु० ६
गुरुदासपुर	,, श्रावण शु० ६	,, भादों कृ० २
२. अमृतसर	,, भादों कृ० २	,, भादों शु० ७
१. जालंधर	,, भादों शु० ७	,, भादों शु० ११
२. लाहौर	,, आश्विन शु० ११	,, कार्तिक कृ० ४
फीरोजपुर	,, कार्तिक कृ० ४	,, कार्तिक कृ० १४
३. लाहौर	,, कार्तिक कृ० १५	,, कार्तिक शु० २
रावलपिण्डी	,, कार्तिक शु० ३	,, पौष कृ० ७
झेलम	१६३४ पौष कृ० ८	१६३४ पौष शु० ६
गुजरात	,, पौष शु० ६	,, माघ कृ० १५

✡ संभवतः चैत शु० १२ या १३ को पहुंचे होंगे क्योंकि शाहजहाँपुर से मुरादाबाद तक रेल मार्ग (उस समय) था। मुरादाबाद से सहारनपुर लगभग १२० मील दूर है। लेखक।

स्थान	आगमन	प्रस्थान
वजीराबाद	,, माघ कृ० १५	,, माघ शु० ५
गुजरांवाला	,, माघ शु० ५	,, फाल्गुन कृ० १४
४. लाहौर	,, फाल्गुन कृ० १४	,, फाल्गुन शु० ८
मुल्तान	,, फाल्गुन शु० ८	१९३५ चैत शु० १४
× ५. लाहौर	१९३५ चैत शु० १५	,, वैशाख शु० १४
× ३. अमृतसर	,, वैशाख शु० १४	,, आषाढ़ शु० १२
× २. जालंधर	,, आषाढ़ शु० १२ या १३	,, आषाढ़ शु० १४
× २. लुधियाना	,, आषाढ़ शु० १४	,, श्रावण कृ०
अम्बाला	,, श्रावण कृ.	,, श्रावण कृ०
१. रुडकी	,, श्रावण कृ. ११	,, भादों कृ, ८
३. अलीगढ़	,, भादों कृ. ९	,, भादों कृ. १३
३. मेरठ	,, भादों कृ, १३	,, आश्विन शु. ८
२. दिल्ली	,, आश्विन शु. ८✱	,, कार्तिक शु. १२
३. अजमेर	,, कार्तिक शु, १३	,, कार्तिक शु. १३
× २, पुष्कर	,, कार्तिक शु. १३	,, अगहन कृ. ४
४. अजमेर	,, अगहन कृ. ४	,, अगहन शु. ८
१. मसूदा	,, अगहन शु. ८	,, पौष कृ. १
१. नसीराबाद छावनी	,, पौष कृ. १	,, पौष कृ. ५
३. जयपुर	१९३५ पौष कृ० ६	१९३५ पौष शु० १
रिवाड़ी	,, पौष शु० २	,, माघ कृ० १
× ३. दिल्ली	,, माघ कृ० १	,, माघ कृ ९
४. मेरठ	,, माघ कृ० ९	,, माघ शु०
३. सहारनपुर	,, माघ शु०	,, माघ शु० १५
× २. रुड़की	,, माघ शु० १५	,, फाल्गुन शु० १४
ज्वालापुर	,, फाल्गुन कृ० १४	,, फाल्गुन शु० ६
× ४. हरिद्वार	,, फाल्गुन शु० ६	१९३६ वैशाख कृ० ८

✱ जीवन चरित्रों से आश्विन शुल्क १३ (९ अक्टूबर सन् १८७८ ई.) को दिल्ली में पहुंचने का पता चलता है किन्तु श्रीश्यामजी कृष्ण वर्मा जी के नाम के एक अप्रकाशित पत्र से (लिखित ७ अक्टूबर सन् १८७८ ई.) पता चलता है कि वह ३ अक्टूबर सन् १८७८ ई. अर्थात् आश्विन शु. ८ को दिल्ली में पहुंचे थे। लेखक।

	स्थान	आगमन	प्रस्थान
	२. देहरादून	१९३६ वैशाख कृ० ८	१९३६ ,, वैणाख शु० ९
	४. सहारनपुर	” वैशाख शु० ९	” वैशाख शु० १२
	५. मेरठ	” वैशाख शु० १२	” ज्येष्ठ शु० २
×	४. अलीगढ़	” ज्येष्ठ शु० २	” ज्येष्ठ शु० ७
×	४. छलेसर	” ज्येष्ठ शु. ७	” आषाढ़ शु. १५
×	३. मुरादाबाद	” आषाढ़ शु. १५	” श्रावण शु. १२
	बदायूँ	” श्रावण शु०१३	” भादों कृ. १२
×	३. बरेली	” भादों कृ. १२	” आश्विन कृ. ४
×	४. शाहजहाँपुर	” आश्विन कृ. ४	” आश्विन शु. १
	३. लखनऊ	” आश्विन शु. २	” आश्विन शु. ९
	५. कानपुर	” आश्विन शु. ९	” आश्विन शु. ८
	७. फरुखाबाद (फतेहगढ़)	” आश्विन शु. १०	” आश्विन (अ०)कृ० ८
	६. कानपुर	” आश्विन (अ.) कृ.	” आश्विन (अ,)शु. २
×	८. प्रयाग	” आश्विन (अ.)शु. २	” आश्विन (अ.)शु. ९
×	६. मिर्जापुर	” आश्विन (अ.) शु. ९	” आश्विन(अ.)शु.१५
	दानापुर	” आश्विन(अ.)शु. १५	” कार्तिक शु. ७
×	७. काशी	” कार्तिक शु. ७	१९३७ वैशाख कृ. ११
×	४. लखनऊ	१९३७ वैशाख कृ. ११	” वैशाख शु. ९
×	७. कानपुर	” वैशाख शु. १०	” वैशाख शु० १०
×	८. फरुखाबाद (फतेहगढ़)	” वैशाख शु. ११	” आषाढ़ कृ. ८
	मैनपुरी	” आषाढ़ कृ. ९	” आषाढ़ कृ. १४
	भारौल	” आषाढ़ कृ. १४	” आषाढ़ कृ० १५
	६. मेरठ	” आषाढ़ शु. १	” भादों शु. १२
	मुजफ्फरनगर	” भादों शु. १२	” आश्विन कृ. १३
	७. मेरठ	” आश्विन कृ० १३	” आश्विन शु
×	५. सहारनपुर	” आश्विन शु.	” आश्विन शु.
+	३. देहरादून	” आश्विन शु. ४	” अगहन कृ. ४ या ५
×	८. मेरठ	” अगहन कृ. ५	” अगहन कृ.
×	३. आगरा	” अगहन कृ. १० या ११	” फाल्गुन शु. १०

स्थान	आगमन	प्रस्थान
भरतपुर	" फाल्गुन शु. १०	१९३८ चैत कृ० ५
× ४. जयपुर	१९३८ चैत कृ. ५	" वैशाख शु. ६
५. अजमेर	" वैशाख शु. ७	,, आषाढ़ कृ. १२
× नसीराबाद	" आषाढ़ कृ. १२	" आषाढ़ कृ. १२
छावनी		
२. मसूदा	" आषाढ़ कृ. १२	" भादों कृ. ९
१. ब्यावर	" भादों कृ. ९	" भादों कृ. ९
१. हरिपुर स्टेशन	" भादों शु. १०	" भादों शु. १०
रायपुर	" भादों कृ १०	" भादों शु. १५
☼ २. हरिपुर स्टेशन	" भादों शु. १५	" भादों शु. १५
☼ २ ब्यावर	" भादों शु. १५	" आश्विन कृ. १३
☼ ३. मसूदा	" आश्विन कृ० १३	" आश्विन शु. १४
हुरड़ा	" आश्विन शु. १४	" आश्विन शु. १५
१. रुपाहेली	१९३८ आश्विन शु १५	१९३८ कार्तिक कृ १
रायना +	,, कार्तिक कृ. १	,, ,, कृ ३
बनेड़ा	,, ,, कृ. ३	,, ,, शु ४
भीलवाड़ा	,, ,, शु. ४	,, ,, शु ४
सोनियाना	,, ,, शु. ४	,, ,, शु ५
१. चित्तौड़	,, ,, शु. ५	,, पोष कृ. १५
२. इन्दौर	,, पोष कृ. १५	,, ,, शु. ६
× ५. बम्बई	,, ,, शु. ९ ☼	१९३९ आषढ़ शु. ८
खण्डवा	१९३९ आषाढ़ शु. ८	,, श्रावण कृ. ४
× ३. इन्दौर	,, श्रावण कृ. ५	,, ,, कृ. ५
रतलाम	,, ,, कृ. ५	,, ,, कृ. ८
जावरा	,, ,, कृ. ८	,, ,, शु. ९
२. चित्तौड़	,, ,, शु. १०	,, ,, अ० कृ. ११
१. नींबाहेड़ा	,, × अ० कृ०. ११	,, ,, अ० कृ. ११
.....		

+इसके बदले राटेरा नाम ठीक नहीं—लेखक।

☼जब कि इस तिथि को बम्बई में पहुँचना हुआ और ६ को इन्दौर छोड़ा था तो बीच में और कहीं पर ठहरना हुआ होगा। लेखक।

गुरु विरजानन्द दण्डी
सन्दर्भ पुस्तकालय
पुस्तक परिग्रहण क्रमांक 974
दयानन्द महिला म...

स्थान	आगमन		प्रस्थान	
उदयपुर	श्रावण	अ० कृ. १३+	"	फाल्गुन कृ ५ या ६
× २. नींबाहेड़ा	"	फाल्गुन कृ. ७	"	कृ. ७
× ३. चित्तौड़	"	" कृ. ७	"	कृ. १३
× २. रुपाहेली	"	" कृ. १४	"	कृ. १४
शाहपुरा	१९३९	फाल्गुन कृ. १४	१९४०	ज्येष्ठ कृ० ४
६. अजमेर	१९४०	ज्येष्ठ कृ. ६	"	" कृ. ७
१. पाली	"	" कृ. ७	"	" कृ. ९
१. रोहट✡	"	" कृ. ९	"	" कृ. १०
जोधपुर	"	" कृ. १०	"	आश्विन शु. १५
× २, रोहट✡	"	कार्तिक कृ. १	"	कार्तिक कृ. २
× २. पाली	"	" कृ. २	"	" कृ. ५
× २. आबू	"	" कृ. ६	"	" कृ. ११
× ७. अजमेर	"	" कृ. १२	"	" कृ. १५

अनेक जिलों के पदारोपित स्थान

भारतवर्ष में अंगरेजी राज्य के अनेक जिले ऐसे हैं, जिनके दो या अधिक स्थान श्री स्वामीजी द्वारा गौरवान्वित हुए हैं और उनका उल्लेख पुस्तक के पिछले पृष्ठों में पृथक्-पृथक् हुआ है - नीचे के लेखा से सुगमता के साथ पता लग सकता है कि बहुतेरे जिलों के कौन कौन स्थान सुशोभित हुए थे:—

संयुक्तप्रांत

जिला का नाम	जिला के गौरवान्वित स्थान
अलीगढ़	अलीगढ़, अतरौली, छलेसर, बिजौली, मुरसान, हरनोट, हाथरस।
एटा	कादिरगंज, कासगंज, गढ़ियाघाट, नरदौली, पटियाली, चकेरी के निकट बिलराम, शहबाजपुर, सरावल सोरों+।

+ उदयपुर में जब कि इस तिथि को पहुँचना हुआ है तो संभवतः दो दिन पहले चित्तौड़ छोड़ा होगा क्योंकि नींबाहेड़ा से रेल द्वारा जाना नहीं हुआ था। नींबाहेड़ा और उदयपुर के बीच में काफी दूरी है। लेखक।

✡ इसके बदले रोपट नाम ठीक नहीं—लेखक

+ कुछ लोगों का मत है कि एटा के कुसौल देवकली व रूपधनी नाम के दो और स्थान भी सुशोभित हुये थे—लेखक

कानपुर—कानपुर, बिट्ठूर, मदारपुर।

देहरादून—देहरादून, हृषीकेश।

फर्रुखाबाद - फर्रुखाबाद, फतेहगढ़, कन्नौज, कम्पिल, कायमगंज, जलालाबाद, शमसाबाद, शुकुरुल्लापुर, शृंगीरामपुर।

फतेहपुर गाजीपुर, शिवराजपुर।

बदायूँ—बदायूँ, कंकोड़ा, कछिलाघाट।

बनारस—काशी, मुगलसराय, रामनगर×।

बुलन्दशहर—अनूपशहर, अहार कर्णबास, चासी, ताहिरपुर, राजघाट, रामघाट।

मथुरा—मथुरा, वृन्दावन।

मिर्जापुर—मिर्जापुर, चुनार, विन्ध्याचल।

मुजफ्फरनगर—मुजफ्फनगर, मीरांपुर, शुकताल।

मुरादाबाद—मुरादाबाद, सम्भल।

मेरठ—मेरठ, गढ़मुक्तेश्वर, परीक्षितगढ़।

मैनपुरी—मैनपुरी, भारौल।

शाहजहांपुर - शाहजहांपुर, चांदापुर।

सहारनपुर—सहारनपुर, कनखल, ज्वालापुर, रुड़की, लंढौरा, हरिद्वार।

पंजाब प्रांत

गुजरांवाला—गुजरांवाला, वजीराबाद।

बिहार प्रांत

आरा—आरा, डुमरांव।

बम्बई प्रांत

सूरत—सूरत, बलसार।

× सन् १९११ ई० से पूर्व यह स्थान जिला बनारस में था—लेखक

सौजन्य - अमर स्वामी अभिनन्दन ग्रन्थ

नवजागरण के पुरोधा
महर्षि दयानन्द सरस्वती के १७६ वें
जन्म दिवस-फाल्गुन कृ० १०,
विक्रम सं० २०५६
एवं

आर्यसमाज के १२६ वें वर्ष में प्रवेश पर सार्वदेशिक, प्रान्तीय व स्थानीय आर्य समाजो से आग्रह कि दर्शित सभी स्थानों पर महर्षि की स्मृति में कुछ बनायें ताकि स्व० प्रकाशवीर जी शास्त्री का विचार मूर्त्त रूप ले सके।

गुरु विरजानन्द दण्डी
सन्दर्भ पुस्तकालय
परिग्रहण क्रमांक
नन्द महिला म

सुरेन्द्र-सुभद्रा आर्य :

सी-२/११०, यमुना विहार, दिल्ली-११००५३

दूरभाष : २१७१८७०